AUDIO

VIDEO Play

भजन

तेरे दीदार को पाऊं यहीं मन चाहता है
कि इक पल दूर न जाऊं यहीं मन चाहता है

1- तेरे चरणों की महिमा को पिया मैं गाऊं कैसे
लांक तले लाल एड़ियां पिया मैं पाऊं कैसे
तेरे चरणों में रह जाऊं यहीं मन चाहता है
2- तेरे सुन्दर गले में पाँच हारों की लड़ी है
कोई हीरा कोई मानिक कोई नीलवी जड़ी है
तेरे सिनगार को पाऊं यहीं मन चाहता है
3- तेरे बाजू में पोहोंची और काड़ो कड़ी है
दस अंगुरी में दस अंगूठियां रतनों जड़ी हैं
नखों के नूर को पाऊं यहीं मन चाहता है
4- आप के नूरी मुख के नूर से यह धाम चमके
लाल अधरों की शोभा देख के ये आशिक अटके
झलक इक नूर की पाऊं यहीं मन चाहता है
5- इश्क का जाम पिला देना यहीं तमन्ना है
तेरे आगे खड़ी विनती करे ये अंगना है
तेरी मस्ती में खो जाऊं यहीं मन चाहता है